स्वस्थ पशु - समृद्ध किसान: सपना विकसित भारत” विषय पर ICAR–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI), इज़्ज़तनगर द्वारा 12 मार्च 2026 को किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर के संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा द्वारा भोजीपुरा विकासखंड के वीरपुर मकरूका ग्राम में **“स्वस्थ पशु - समृद्ध किसान : सपना विकसित भारत”** विषय पर एक किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस किसान मेले में बरेली जनपद के बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और पशुपालन, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की नवीन तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. रूपसी तिवारी, संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा), आईसीएआर-आईवीआरआई, इज्जतनगर थीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि किसान और कृषि भारत की आत्मा हैं और जब तक किसान समृद्ध नहीं होगा तब तक देश के समग्र विकास की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से कृषि एवं पशुपालन अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि संस्थान के वैज्ञानिक किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे वैज्ञानिकों से संवाद स्थापित कर नई तकनीकों को अपनाएँ ताकि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को पशुपालन, कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित उपयोगी एवं व्यवहारिक तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। डॉ. हीरा राम, प्रधान वैज्ञानिक, परजीविविज्ञान प्रभाग ने अपने व्याख्यान में पशुधन में पाए जाने वाले आंतरिक एवं बाह्य परजीवियों के प्रकार, उनके कारण होने वाले नुकसान तथा उनके प्रभावी नियंत्रण एवं प्रबंधन के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने नियमित कृमिनाशन, साफ-सफाई, उचित दवा के प्रयोग तथा पशु आवास के स्वच्छ प्रबंधन को अत्यंत आवश्यक बताया। डॉ. यू. के. डे, प्रधान वैज्ञानिक ने पशुओं में होने वाली प्रमुख

बीमारियों की पहचान, प्रारंभिक लक्षणों को समझने, समय पर प्राथमिक उपचार करने तथा निर्धारित समय पर टीकाकरण कराने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी और किसानों को जागरूक रहने की सलाह दी ताकि रोगों से होने वाले आर्थिक नुकसान को कम किया जा सके। डॉ. एस. के. साहा, प्रधान वैज्ञानिक, पशु पोषण प्रभाग ने पशुओं के संतुलित एवं कुशल आहार प्रबंधन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उचित मात्रा में हरा चारा, सूखा चारा तथा संकेंद्रित आहार देने से पशुओं की उत्पादकता और स्वास्थ्य में सुधार होता है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से पौष्टिक पशु आहार तैयार करने के उपाय भी बताए। डॉ. आर. एल. सागर, विषय विशेषज्ञ (SMS), आईवीआरआई-केवीके ने चारा प्रबंधन पर किसानों को मार्गदर्शन देते हुए उन्नत चारा फसलों की खेती, वर्ष भर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा चारा संरक्षण (साइलेज एवं हे) की तकनीकों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही डॉ. रंजीत सिंह, विषय विशेषज्ञ (SMS), केवीके ने बागवानी प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं जैसे उन्नत किस्मों के चयन, पौधरोपण, पोषण प्रबंधन एवं संरक्षण तकनीकों पर उपयोगी जानकारी साझा की। वहीं श्री दुर्गा दत्त शर्मा ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों, तालाब प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज के चयन तथा मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा करते हुए किसानों को आय के अतिरिक्त स्रोत के रूप में मत्स्य पालन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें पशुपालन, पशु स्वास्थ्य, पोषण प्रबंधन, चारा उत्पादन तथा कृषि से संबंधित प्रश्न पूछे गए। किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया और सही उत्तर देने वाले विजेता किसानों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस किसान मेले में कुल 274 हितधारकों (किसानों, पशुपालकों, ग्रामीण युवाओं तथा महिला किसानों) ने सहभागिता की और वैज्ञानिकों से सीधे संवाद कर अपनी समस्याओं के समाधान प्राप्त किए। इनमें से 145 प्रतिभागी महिलाएँ थीं,

जो कुल सहभागिता का 52.91 प्रतिशत थीं, जिससे कार्यक्रम में महिला किसानों की सक्रिय भागीदारी स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. मदन सिंह, वैज्ञानिक, प्रसार शिक्षा प्रभाग द्वारा किया गया, जो डॉ. एच. आर. मीना, विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में डॉ. आर. एस. सुमन, वीर सिंह एवं आईवीआरआई के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित किसानों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से उन्हें नवीन वैज्ञानिक तकनीकों, सरकारी योजनाओं तथा कृषि-पशुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ सीधे विशेषज्ञों से प्राप्त होती हैं। किसानों ने भविष्य में भी इस प्रकार के किसान मेलों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

किसान मेला – 2026